Online Education And LMS Cell के अन्तर्गत किए गए कार्यों की आख्या

सत्र –2022–23

छात्रों के शैक्षिक उन्नयन हेतु महाविद्यालय में Online & LMS Cell के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। शारिरिक शिक्षा विभाग द्वारा Online National Level Quiz Competition दिनांक 14.08.2022 को आजादी के अमृत महोत्सव अवसर पर आयोजित किया गया। जिसमें 355 लड़कों व लकड़ियों ने प्रतिभाग किया यह प्रतियोगिता भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान पर आधारित थी। जिसका उद्देश्य प्रशिक्षुओं एवं छात्राओं को स्वाधीनता संग्राम के इतिहास से अवगत कराना, देश के प्रति प्रेम जगाना, स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों से अवगत करना, सामान्य ज्ञान एवं प्रतिस्पर्धा को बढ़ाना।

इस cell के तहत ऑनलाइन एजुकेशन की उपयोगिता एवं महत्व पर एक कार्यशाला का दिनांक 03.12.2022 को आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अंशुल गुप्ता जी ने ऑनलाइन एजुकेशन के महत्व एवं उपयोगिता विषय को बताते हुए गूगल, ब्लॉग, टिविटर, ईबुक आदि के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की। जीमेल की उपयोगिता और उसको बनाने की विस्तारपूर्वक विधि बताया। असि0 प्रोफेसर संजीव गुप्ता व उपेन्द्र शर्मा ने ई–कॉर्मस व मोबाइल महत्व एवं उपयोगिता व दुष्प्रभाव पर चर्चा की। डॉ0 संध्या द्विवदी ने बताया कि बाजारीकरण के दौर में हमें विश्व से कदमताल मिलाकर चलने के लिए हमें डिजिटल होना पड़ेगा तभी हमारा विकास संभव है।

समाजशास्त्र विभाग द्वारा ऑनलाइन ई–क्विज प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 31.03.2023 को किया गया। जिसमें छात्राओं को दस प्रश्नों के सही विकल्पों पर न्यूनतम समयाविधि में टिक करके गूगल फार्म को सबमिट करना था। जिसमें कुल 368 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करना एवं विषय के प्रति समग्र दृष्टिकोण विकसित करना रहा।

'अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ' के द्वारा एक राष्ट्रीय बेबिनार का आयोजन 11 अप्रैल 2023 को कोआर्डिनेटर डॉ0 निष्ठा शर्मा द्वारा किया गया। जिसका शीर्षक – 'What it text to wright to Good Research Paper and Project' रहा। संगोष्ठी के अतिथि

वक्तागणों में विषय विशेषज्ञ डॉ0 सुशील दलाल जी (एसो. प्रोफेसर भूगोल, पं0 नेकीराम शर्मा राजकीय विद्यालय रोहतक, हरियाणा) ने रिचर्स डिजाइन के प्रारूप प्रकार एवं महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की। रेनू वर्मा (प्राचार्या, दाऊ दयाल महिला पी0जी0 कॉलेज, फिरोजाबाद) ने बताया कि शोध पत्र सृजनात्मक एवं आलोचनात्मक होना चाहिए। शोध पत्र लिखने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा की। प्रोफेसर विन्नी जैन जी (प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान) ने प्रोजेक्ट रिपोर्ट और रिपोर्ट लेखन के महम्वपूर्ण बिन्दुओं पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

इन विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से छात्राओं को ऑनलाइन माध्यम से विभिन्न विषयों पर ज्ञान प्राप्त करने सीखने के लिए प्रेरित किया। आज डिजिटल क्रान्ति के इस युग में विभिन्न तकनीकों को उपयोग करना एवं स्वयं को सार्म्थवान बनाना हमारी अनिवार्य आवश्यकता है।

प्राचार्या
09.05.2023
डॉ0 अंजु शर्मा
Principal
M.G.B.V. (P.G.) College
Firozabad

को–आर्डिनेटर
संध्या द्विवेदी
डॉ0 संध्या द्विवेदी
प्लेसमेन्ट सेल